इकाई–2

कृषि

कृषि का महत्त्व (विशेषता)

- विशाल जनसंख्या को भोजन तथा उद्योगों के लिए कच्चा माल कृषि क्षेत्र से प्राप्त होता है।
- देश के कुल राष्ट्रीय आय का 13.9% कृषि से प्राप्त होता है।
- कुल कार्यकारी जनसंख्या का 54% भाग कृषि कार्य में लगा है।
- देश के 2/3 लोगों की जीविका कृषि पर आश्रित है।

भारत की कृषि योग्य भूमि

1. शुद्ध बोया गया
2. चालू परती भूमि
3. कृषि योग्य भूमि
4. अन्य परती भूमि

प्रमूख फसल समूह

- खरीफ फसल (वर्षा ऋतु) — प्रमुख फसल–चावल, ज्वार, बाजरा
- रबी फसल (शीत ऋतु) — गेहूँ, जौ, चना
- जायद फसल (ग्रीष्म ऋतु) — सब्जी, ककड़ी, तरबूज

कृषि के प्रकार

जीवन निर्वाह कृषि	स्थानान्तरित कृषि	व्यापारिक कृषि	रोपण कृषि	गहन कृषि
उद्देश्य : भोजन प्राप्ति **प्रमुख फसलें** चावल, ज्वार	स्थान बदल–बदलकर जंगलों को साफ कर खेती करना। **प्रमुख फसल** चावल	व्यापार के उद्देश्य से। **नकदी फसल :** चाय, कपास, तंबाकु	व्यापार के उद्देश्य से **प्रमुख फसलें** रबड़, कहवा, गन्ना, चाय	अधिक जनसंख्या के भरण–पोषण हेतु। **प्रमुख फसल** चावल

स्थानान्तरित कृषि के स्थानीय (क्षेत्रीय) नाम :
उत्तर पूर्व (असम) – झूम, आन्ध्रप्रदेश – पोडू, ओडिसा – पामाडाबी, केरल – कुमारी, राजस्थान – वालरे, झारखंड – कुरूल, हिमालय क्षेत्र – खिल, अंडमान–निकोबार – दीपा

https://www.evidyarthi.in/

प्रमूख फसलें

भारत में तीन स्पष्ट ऋतुएँ पाई जाती है जिसमें उगाई जाने वाली फसलों को सात श्रेणियों में बाँटा गया है।

- खाद्य फसल – धान, गेहूँ, ज्वार, बाजरा
- रेशेदार फसल – जूट, कपास
- पेय फसल – चाय, कॉफी
- नगदी फसल – गन्ना
- दलहनी फसल – चना
- तिलहन फसल – सरसों

क्र	फसल	वर्षा (से0मी0)	तापमान (डिग्री में)	मिट्टी	उत्पादन क्षेत्र
1.	खाद्य फसल				
	चावल	125-200	32-27	चीका युक्त	पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार
	गेहूँ	75	10-20	दोमट	उत्तर प्रदेश, पंजाब, बिहार
2.	अन्य खाद्य				
	ज्वार	40-50	25-30	बलुई	महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश
	बाजरा, मक्का	75	21-27	जलोढ़–दोमट	उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान
3.	रेशेदार				
	कपास	50-100	21-25	काली (रेगुड़)	महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब
	जूट	150	25-30	जलोढ़	प0 बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार
4.	पेय फसल				
	चाय	200-250	24-30	फास्फोरस, पोटाशयुक्त	असम, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक
	कॉफी	150-200	15-30	चूनायुक्त	कर्नाटक, असम, प0 बंगाल
5.	नगदी फसल				
	गन्ना	100-150	20-30	दोमट	उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु
	रबर				केरल, तमिलनाडु, मेघालय
6.	दलहन				
	चना				उत्तर प्रदेश, बिहार,राजस्थान
	मसूर				बिहार, मध्यप्रदेश उत्तर प्रदेश,
7.	तेलहन				
	सरसो				राजस्थान, उत्तर प्रदेश
	तीसी				बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश

https://www.evidyarthi.in/

भारतीय कृषि की नवीन प्रवृत्तियाँ

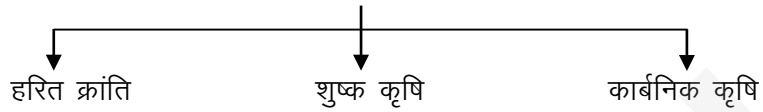

हरित क्रांति :

- 1966–67 में अधिक उपज देनेवाले नवीन बीजों के प्रयोग से फसल उत्पादन में आयी क्रांति को हरित क्रांति कहा जाता है।
- सबसे पहले लाभांन्वित फसल–गेहूँ
- प्रथम हरित क्रांति के क्षेत्र–पंजाब,हरियाणा, प0 उत्तर प्रदेश

शुष्क कृषि :

- शुष्क एवं अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में प्रचलित है।
- 75 से0 मी0 से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में होने वाली कृषि है।
- प्रमुख फसल – ज्वार, बाजरा

कार्बनिक कृषि :

- इस प्रकार की कृषि में फसलों का हेर–फेर, हरी खाद, कंपोस्ट तथा जैविक कीट नियंत्रण तकनीक के उपयोग से कृषि की जाती है।

खाद्य सुरक्षा :

- भूखमरी की समस्या से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए चलाया गया कार्यक्रम खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम है।

भारतीय कृषि की समस्याएँ / निम्न उधदकता के प्रमुख कारण :	
▪ वर्षा की अनिश्चितता	▪ कृषि पर बढ़ती जनसंख्या का बोझ
▪ बाढ़ की विभीषिका	▪ सिंचाई का अभाव
▪ सुखाड़	▪ परम्परागत कृषि पद्धति की प्रमुखता
▪ अशिक्षित किसान	▪ कृषि उत्पादो का उचित मूल्य नहीं मिलना
▪ खेतों का आकार छोटा एवं बिखरा होना	

प्रश्न :

1. ''कृषि बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है''। इस कथन की व्याख्या कीजिए।
2. बिहार में नहरो के विकास से सम्बन्धित समस्याओं को लिखिए।
3. बिहार के किस भाग में सिंचाई की अधिक आवश्यकता है और क्यों?
4. बिहार में सूती वस्त्र उद्योग पर विस्तार से लिखे।
5. बिहार में जल विद्युत विकास पर प्रकाश डालिए।
6. सोन अथवा कोसी नदी घाटी परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालें।

https://www.evidyarthi.in/